

भारत पर मुस्लिम आक्रमण

अरब आक्रमण (7वीं-8वीं शताब्दी)

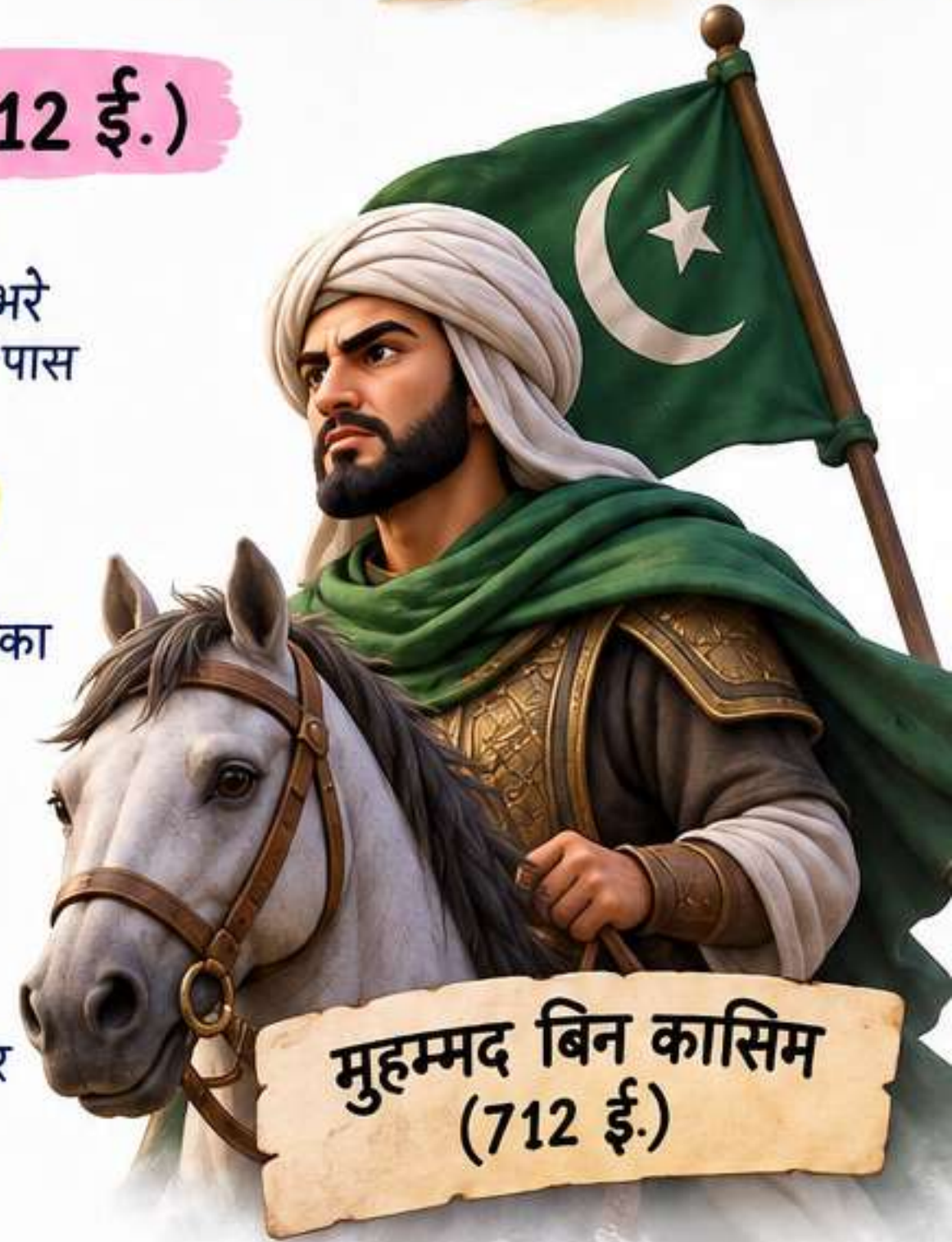
प्रारंभिक अभियान

- 636 ई. — भारत पर पहला मुस्लिम आक्रमण **थाणे** (बंबई के निकट) पर हुआ, जो असफल रहा।
- 643 ई. — रशीदुन खिलाफत के दौरान अरब सेना ने **देबल** पर हमला किया, परंतु खलीफा उमर ने भारत की भूमि पर आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी।
- 644 ई. — **रासिल का युद्ध** — अरब सेना ने सिंध के राजा रुतबिल को पराजित किया, परंतु सिंधु नदी पार करने की अनुमति नहीं मिली।
- 649 ई. — अल-हकीम इबन जबाला ने **मकरान** पर आक्रमण किया।
- 652 ई. — खलीफा उस्मान ने **मकरान** पर आक्रमण को मंजूरी दी, परंतु कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण आगे बढ़ना संभव नहीं हुआ।



मुहम्मद बिन कासिम का आक्रमण (712 ई.)

- कारण**  सीलोन (श्रीलंका) के राजा द्वारा खलीफा को भेजे गए उपहारों से भरे जहाजों को सिंध के बंदरगाह के पास लूट लिया गया।
- नेतृत्व**  इराक के प्रांतपति **अल हज्जाज** ने अपने भतीजे और दामाद **मुहम्मद बिन कासिम** को सेना का प्रमुख बनाकर भेजा।
- सिंध के शासक**  राजा **दाहिर** (679-711 ई.)
- महत्वपूर्ण युद्ध**  **रावर का युद्ध** (712 ई.) — मुहम्मद बिन कासिम ने राजा दाहिर को पराजित किया।
- परिणाम**  सिंध और **मुल्तान** पर अरबों का अधिकार स्थापित हुआ।
यह भारत में पहला सफल मुस्लिम आक्रमण था।
- सीमाएँ**  अरबों का राज्य सिंध और मुल्तान के पूर्व में भारत के आंतरिक भागों तक नहीं फैल सका।



यह आक्रमण भारत के इतिहास में एक नए युग की शुरुआत था।

महमूद गजनवी के आक्रमण

(1000 - 1027 ई.)

वंश : यमीनी वंश (तुर्क)

पिता : सुबुक्तगीन (मृत्यु 997 ई.)
भाई इस्माइल को हराकर गद्दी संभाली।

आयु : गद्दी संभालते समय 27 वर्ष

प्रतिज्ञा : खलीफा से मान्यता मिलने पर
हर वर्ष भारत के "काफिरों" पर
आक्रमण करेगा।



महमूद
गजनवी

आक्रमणों की संख्या और अवधि

- कुल आक्रमण : 17 बार (1000 - 1027 ई.)
- अंतिम आक्रमण : 1027 ई.
- मृत्यु : 1030 ई.

प्रमुख आक्रमण

1001 ई. - जयपाल के विरुद्ध

- स्थान : पेशावर के निकट
- परिणाम : जयपाल पराजित, 15,000 लोग मारे गए।
जयपाल बंदी, 50 हाथियों की फिरौती पर छोड़ा गया।
- जयपाल ने मलेच्छे के स्पर्श के कारण शासन त्याग कर अग्नि में स्वयं को समर्पित किया।

1008-1009 ई. - आनंदपाल के विरुद्ध

- जयपाल के पुत्र आनंदपाल ने सामना किया।

1018-1019 ई. - चंद्रायण (चांदराय) पर हमला

- काफिरों का संहार — अनेक लोगों की हत्या या बंदी बनाया गया।

1026 ई. - सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण

- स्थान : काठियावाड़
- शिवलिंग तोड़ा, मंदिर ध्वस्त किया, हजारों लोगों की हत्या की।
- भारी खजाना लूटकर गजनी ले गया।



सोमनाथ
मंदिर

महमूद की नीतियों

- 1 **आतंक का सिद्धांत :** जयपाल को सड़कों पर घुमाया गया ताकि जनता में भय फैले।
- 2 **धार्मिक उद्देश्य :** मंदिरों को नष्ट करना, मूर्तियों तोड़ना — "मूर्तिभंजक" कहलाया।
- 3 **आर्थिक उद्देश्य :** भारत की संपत्ति लूटकर गजनी ले जाना।
- 4 **पंजाब का विलय :** पंजाब को अपने राज्य में मिलाया, लाहौर का नाम "महमूदपुर" रखा।



लूटा गया
खजाना

मुहम्मद गोरी के आक्रमण

(1175 - 1206 ई.)

वंश : गोरी वंश (अफगान)

उदय : 12वीं शताब्दी में अफगानिस्तान में गोरी वंश का उदय।

गजनी पर अधिकार : 1174 ई.

प्रथम आक्रमण : 1176 ई. में भारत पर पहला आक्रमण।



मुहम्मद
गोरी

तराइन के युद्ध

प्रथम युद्ध (1191 ई.)

- स्थान : तराइन (पानीपत के निकट)
- पक्ष : मुहम्मद गोरी बनाम पृथ्वीराज चौहान
- पृष्ठभूमि : 1189 ई. में गोरी ने भटिंडा के किले पर कब्जा किया।
- परिणाम : पृथ्वीराज ने गोरी को पराजित किया। गोरी घायल होकर पीछे हट गया। भटिंडा 13 महीने की घेराबंदी के बाद पुनः प्राप्त।



पृथ्वीराज
चौहान

द्वितीय युद्ध (1192 ई.)

- तैयारी : गोरी ने बड़ी सेना (लगभग 1,20,000) एकत्र की।
- रणनीति : सेना को 5 भागों में बाँटा, 4 भागों से पार्श्व हमला, पाँचवें भाग ने नकली पलायन किया।
- परिणाम : राजपूत सेना की एकजुटता टूट गई। पृथ्वीराज बंदी बनाया गया और मृत्युदंड दिया गया।
- महत्व : भारतीय इतिहास में पहली बार तुर्की शासन की नींव पड़ी।

रणनीति ने
बदला इतिहास!

चंदावर का युद्ध (1194 ई.)

- पक्ष : मुहम्मद गोरी बनाम जयचंद (कन्नौज के गढ़वाल)
- परिणाम : जयचंद पराजित और मारा गया। कन्नौज पर अधिकार।



जयचंद

अन्य विजय

- 1193 ई. : कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली, मेरठ, अलीगढ़ पर विजय प्राप्त की।
- बंगाल और बिहार : मुहम्मद-बिन-बख्तियार खिलजी को पूर्वी प्रांतों का प्रभारी नियुक्त किया गया।
- 1204 ई. : नादिया पर कब्जा, लखनौती को राजधानी बनाया।
- 1202 ई. : विक्रमशिला विश्वविद्यालय नष्ट किया गया।
- 1203 ई. : नालंदा विश्वविद्यालय नष्ट किया गया।



नालंदा
(विनाश)